Statement

Name of Mill	Date of Increase	Price Increase (Rs. per MT)
Tamil Nadu Newsprint and Paper Limited (TNPL) .	01-05-1990	00
	05-11-1990	1,000
	17-06-1991	800
	29-05-1992	1,000
	20-06-1993	500
	10-10-1994	1,430
The Mysore Paper Mills Limited (MPM) . . .	April, 1980	800
	Oct, 1990	800
	19-06-1991	815
	21-05-1992	1,040
	24-11-1992	922
	07-10-1994	1,523
Hindustan Newsprint Limited (HNL) . . .	01-06-1990	865
	29-10-1990	695
	01-04-1991	900
	01-06-1991	795
	20-05-1992	1,000
	21-06-1993	1,000
	10-10-1994	1,300
NEPA Limited	01-06-1990	1,044
	07-11-1990	656
	15-06-1991	1,100
	22-05-1992	1,700
	02-12-1992	1,000
	12-10-1994	1200
	10-11-1994	500

लघु और कुटीर उद्योगों को बंद किया जाना

2635. **श्री जनार्दन यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की नयी आर्थिक नीति के कारण लघु और कुटीर उद्योग बंद हो रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो जनवरी, 1994 से नवम्बर, 1994 तक बंद होने वाले एककों की संख्या कितनी है ; और

(ग) उन्हें बचाने के लिए सरकार ने इस अवधि के दौरान क्या कदम उठाये हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. अरुणाचलम) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) लघु उद्योग तथा कुटीर उद्योग की कुछ परम्परागत विशेषताएं हैं । तथापि, इस क्षेत्र की उन्नति तथा निरंतर विकास के लिए, उपयुक्त कार्यक्रमों तथा योजनाओं द्वारा इस क्षेत्र की सहायता करना सरकार का प्रयास रहता है । आर्थिक सुधार आरंभ करने के पश्चात, इस क्षेत्र को समर्थन देने के लिए किए गए प्रमुख उपाय इस प्रकार हैं :—

1. लघु उद्योग क्षेत्र की उधार संबंधी आवश्यकताओं तथा संबद्ध विषयों की जांच करने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गठित नायक समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शी सिद्धान्तों का उद्देश्य, पर्याप्त ऊधार की समय से उपलब्धता तथा रुग्ण लघु

एककों का शीघ्र पता लगाने एवं उनकी पुनः स्थापना को सुनिश्चित करना है ।

2. प्रशिक्षण संस्थानों को सुदृढ़ बनाकर उद्यमियता विकास कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना, असम में गुवाहाटी में भारतीय उद्यमियता संस्थान की स्थापना करना, उद्यमिरता विकास संस्थानों को बुनियादी सुविधाओं के लिए सहायता देना, वेंचरफूट प्रबन्धकों को प्रशिक्षण संबंधी सहायता देना और प्रधान मंत्री रोजगार योजना के अधीन माइक्रो-उद्यमों को स्थापित करने के लिए 7 लाख लाभग्राहियों को प्रशिक्षण देना ।

3. नरो आँजार कक्षा, प्रक्रिया और उत्पाद विकास केन्द्र स्थापित करके प्रौद्योगिकी सहायता कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाना, केन्द्रीय फुटवियर प्रशिक्षण केन्द्रों का आधुनिकीकरण कराना, भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के साथ संयुक्त रूप से कलस्टर आधार पर उद्योगों का आधुनिकीकरण करना, आई, एस, ओ, 9000 अथवा ऐसे ही अन्तर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक प्राप्त करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देना ।

4. ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में एकीकृत बुनियादी सविधा विकास योजना शुरू करके बुनियादी सहायता देना ।

रुग्ण उद्योगों में वृद्धि

2636. **श्रीमती सुष्मा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों में रुग्ण उद्योगों में 27.5 प्रतिशत निरंतर वृद्धि होती रही है ;

(ख) यदि नहीं, तो 1991-92, 1992-93 तथा 1993-94 के दौरान रुग्ण उद्योगों में वृद्धि की दर क्या-क्या रही है ;

(ग) क्या सरकार ने उद्योगों की रुग्णता की दर में वृद्धि के कारणों का पता लगाने के लिए कोई प्रयास किये हैं ;

(घ) यदि हां, तो किस-किस कारण से कितने-कितने प्रतिशत उद्योगों के रुग्ण होने का अनुमान है ; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान कितने रुग्ण उद्योगों का पुनरुद्धार किया गया है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. अरुणाचलम) : (क) जी, नहीं ।

(ख) भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त सूचना के अनुसार ग्रामीण उद्योगों सहित रुग्ण लघु उद्योगों एककों की संख्या निम्नलिखित है :—

निम्नलिखित के अंत में	रुग्ण एककों की संख्या	वृद्धि/कमी का प्रतिशत
1. मार्च, 1991	2,21,472	—
2. मार्च, 1992	2,45,575	10.88 प्रतिशत की वृद्धि
3 मार्च, 1993	2,38,176	3.01 प्रतिशत की कमी
4 मार्च, 1994	2,56,452	7.67 प्रतिशत की वृद्धि

जैसा कि उपर्युक्त से देखा जा सकता है, रुग्ण लघु उद्योग एककों में (संख्या की दृष्टि से) मार्च 1991 से मार्च 1992 के बीच 10.88% की वृद्धि हुई किन्तु मार्च 1992 से मार्च 1993 के बीच 3.01% की कमी हुई जबकि मार्च 1993 से मार्च 1994 के बीच 7.67% की वृद्धि हुई है ।

(ग) संस्थानात्मक ऋणों की पर्याप्तता और लघु उद्योग क्षेत्र से संबद्ध विषयों की जांच करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियुक्त नायक समिति की रिपोर्ट के अनुसार, लघु उद्योगों में रुग्णता मुख्यतया इसकी विभिन्न आन्तरिक कमजोरियों के कारण होती है, जैसे